भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +3512

सोमवार, 15 जुलाई, 2019/**24** आषाढ़, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

वन्यजीव और वन पर्यटन

+**3512.** श्री संजय सेठः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में सतत वन्यजीव और वन पर्यटन के लिए कोई योजना बनाई गई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और झारखंड सहित विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में इसकी संभावना का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सतत वन्यजीव और वन पर्यटन के विकास में हितधारकों के रूप में स्थानीय समुदायों को शामिल करने के लिए कोई योजना बनाई गई है; और

(घ) यदि हां, तो झारखंड सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसमें गत तीन वर्षों में सरकार द्वारा सतत वन्यजीव और वन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उपलब्ध करायी गयी निधियों का ब्यौरा क्या है**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (घ) : पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) ने कम प्रभावी प्रकृति पर्यटन को अपनाने के प्रमुख उद्देश्य से 'वन एवं वन्यजीव क्षेत्रों में ईको पर्यटन पर एक नीति" तैयार की है जो संरक्षित क्षेत्रों और अन्य वन क्षेत्रों में तथा उनके आस-पास रहने वाले स्थानीय समुदायों को शामिल करते हुए परिस्थितिक अखण्डता सुनिश्चित करती है तथा ईको पर्यटन कार्यकलापों से अंततः लोगों को अपनी जीविकोपार्जन हेतु सक्षम बनाती है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन –थीम आधारित पर्यटक परिपथों का एकीकृत विकास की अपनी योजना के अन्तर्गत विकास हेतु 15 थीम आधारित परिपथों में वन्यजीव और इको पर्यटन को भी चिह्नित किया है। उपरोक्त परिपथों में देश के राष्ट्रीय पार्क, वन्य जीव अभ्यारण्य, प्राकृतिक विरासत स्थल और रिजर्व सम्मलित है।

उपरोक्त योजना के अन्तर्गत विकास के लिए परियोजनाएं राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से चिह्नित की जाती हैं और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों का अनुपालन तथा पूर्व में निर्मुक्त निधियों की उपयोगिता की शर्त पर स्वीकृत की जाती हैं। झारखण्ड राज्य सहित विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्वदेश दर्शन योजना की ईको और वन्यजीव परिपथों के तहत स्वीकृत परियोजनाओं के विवरण अनुबंध में हैं।

पर्यटन मंत्रालय अतुल्य भारत ब्रांड लाइन के तहत एक समग्र गंतव्य के रूप में भारत का संवर्धन करता है। पर्यटन मंत्रालय राष्ट्रीय पार्कों, वन्यजीव अभ्यारण्यों, प्राकृतिक विरासत स्थलों और रिजर्वों सहित देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों के संवर्धन के लिए जारी अपने कार्यकलापों के एक भाग के रूप में अंतर्राष्ट्रीय तथा घरेलू मार्केटों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन तथा आउटडोर मीडिया अभियान जारी करता है। मंत्रालय के सोशल मीडिया अकाउंट्स और वेबसाइट के माध्यम से भी संवर्धन कार्य किया जाता है।

****

अनुबंध

वन्यजीव और वन पर्यटन के संबंध में दिनांक **15**.07.2019 के लोक सभा लिखित प्रश्न सं. +**3512** के भाग (क) से (घ) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना के ईको और वन्यजीव परिपथ के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा

(करोड़ रु. में**)**

क्र. सं.	राज्य **का नाम / स्वीकृति वर्ष**	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
वन्यजीव परिपथ			
1	मध्य प्रदेश **(2015-16)**	मध्य प्रदेश में पन्ना-मुकुन्दपुर- संजय-डुबरी-बांधवगढ़-कान्हा-मुक्की-पेन्च में वन्यजीव परिपथ का विकास	**92.22**
2	असम **(2015-16)**	असम में वन्य जीव परिपथ के रूप में मानस- प्रोबितोरा-नामेरी- काजीरंगा- डिब्रू-सेखोवा का विकास	**95.67**
ईको परिपथ			
3	उत्तराखण्ड **(2015-16)**	नए गंतव्य के रूप में उत्तराखण्ड, जिला टिहरी में टिहरी झील और आसपास के विकास के लिए इको-पर्यटन, रोमांचकारी क्रीड़ा, पर्यटन से जुड़ी अवसंरचना का एकीकृत विकास	**70.92**
4	तेलंगाना **(2015-16)**	तेलंगाना के जिला महबूबनगर में ईको पर्यटन परिपथ का एकीकृत विकास	**91.62**
5	केरल **(2015-16)**	केरल के इडुकी और पथनामथिट्टा जिलों में पथनामथिट्टा- गावी- वागमोन-थेक्काडी का ईको पर्यटन परिपथ के रूप में विकास	**76.55**
6	मिजोरम **(2016-17)**	स्वदेश दर्शन योजना के इको परिपथ थीम के तहत "इको-रोमांचकारी परिपथ आइजवाल-रॉपुइछिप-खॉहफॉव-लेंगपुई-डर्टलॉग-चतलांग-सकव्रवमुईट्वेटलॉग-मुथी-बेराटलॉग-तुइरियाल एयर फील्ड-मुईफॉग" का विकास	**99.07**
7	मध्य प्रदेश **(2017-18)**	स्वदेश दर्शन योजना के इको परिपथ थीम के तहत गांधीसागर बांध - मण्डलेश्वर बांध-ओंकारेश्वर बांध- इन्दिरा सागर बांध - तवा बांध- बारगी बांध- भेड़ाघाट- बनसागर बांध- केन नदी का विकास।	**99.62**
8	झारखंड **(2018-19)**	झारखंड में ईको परिपथ: डालमा-चंडिल- गेतलसुद- बेतला राष्ट्रीय अभयारण्य –मिर्चैया-नेतरहाट का विकास	**52.72**

******